दिल्ली पब्लिक स्कूल, जम्मू

सत्र (2021 – 2022)

आधार पत्रिका

कक्षा- दसवीं

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

वर्तमान युग कंप्यूटर युग है| यदि भारतवर्ष पर नज़र दौड़ाकर देखें तो हम पाएँगे कि जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों में कंप्यूटर का प्रवेश हो गया है| बैंक, रेलवे-स्टेशन, हवाई-अड्डे, डाक खाने, बड़े-बड़े उद्योग-कारखाने व्यवसाय हिसाब-किताब, रुपये गिनने तक की मशीनें कंप्यूटरीकृत हो गई हैं| अब भी यह कंप्यूटर का प्रारंभिक प्रयोग है| आने वाला समय इसके विस्तृत फैलाव का संकेत दे रहा है| प्रश्न उठता है कि क्या कंप्यूटर आज की ज़रूरत है? इसका उत्तर है- कंप्यूटर जीवन की मूलभूत अनिवार्य वस्तु तो नहीं है, किन्तु इसके बिना आज की दुनिया अधूरी जान पड़ती है| सांसारिक गतिविधियों, परिवहन और संचार उपकरणों आदि का ऐसा विस्तार हो गया है कि उन्हें सुचारु रूप से चलाना अत्यंत कठिन होता जा रहा है|

पहले मनुष्य जीवन-भर में अगर सौ लोगों के संपर्क में आता था तो आज वह दो-हज़ार लोगों के संपर्क में आता है| पहले दिन में पाँच-दस लोगों से मिलता था तो आज पचास-सौ लोगों से मिलता है| पहले वह दिन में काम करता था तो आज रातें भी व्यस्त रहती हैं| आज व्यक्ति के संपर्क बढ़ रहे हैं, व्यापार बढ़ रहे हैं, गतिविधियाँ बढ़ रही हैं, आकांक्षाएँ बढ़ रही हैं, साधन बढ़ रहे हैं| इस अनियंत्रित गति को सुव्यवस्था देने की समस्या आज की प्रमुख समस्या है| कहते हैं आवश्यकता आविष्कार की जननी है| इस आवश्यकता ने अपने अनुसार निदान ढूँढ लिया है|

कंप्यूटर एक ऐसी स्वचालित प्रणाली है जो कैसी भी अव्यवस्था को व्यवस्था में बदल सकती है| हड़बड़ी में होने वाली मानवीय भूलों के लिए कंप्यूटर राम बाण औषधि है| क्रिकेट के मैदान में अंपायर की निर्णायक भमिका हो या लाखों-करोड़ों की लंबी-लंबी गणनाएँ कंप्यटर पलक झपकते

ही आपकी समस्या हल कर सकता है| पहले इन कामों को करने वाले कर्मचारी हड़बड़ाकर काम करते थे, एक भूल से घबराकर और अधिक गड़बड़ी करते थे| परिणामस्वरूप काम कम, तनाव अधिक होता था| अब कंप्यूटर की सहायता से काफी सुविधा हो गई है|

(1)	वर्तमान युग कंप्यूटर का युग क्यों है? I. कंप्यूटर के बिना जीवन की कल्पना असंभव सी हो गयी है| II. कंप्यूटर ने पूरे विश्व के लोगों को जोड़ दिया है| III. कंप्यूटर जीवन की अनिवार्य मूलभूत वस्तु बन गया है| IV. कंप्यूटर मानव सभ्यता के सभी अंगों का अभिन्न अवयव बन चुका है|
(2)	गद्यांश के अनुसार कंप्यूटर के महत्त्व के विषय में कौन-सा विकल्प **सही** है:- I. कंप्यूटर काम के तनाव को समाप्त करने का उपाय है| II. कंप्यूटर कई मानवीय भूलों को निर्णायक रूप से सुधार देता है| III. कंप्यूटर के आने से सारी हड़बड़ाहट दूर हो गई है| IV. मानव की सारी समस्याओं का हल कंप्यूटर से संभव है|
(3)	गद्यांश के अनुसार किस आवश्यकता ने कंप्यूटर में अपना निदान ढूँढ लिया है? I. अनियंत्रित कर्मचारियों को अनुशासित करने की| II. अनियंत्रित गति को सुव्यवस्था देने की| III. अधिक से अधिक लोगों से जुड़ जन- जागरण लाने की| IV. अधिक से अधिक कार्य कभी भी व कहीं भी करने की|

(4)	कंप्यूटर के प्रयोग से पहले अधिक तनाव क्यों होता था? I. लंबी-लंबी गणनाएँ करनी पड़ती थीं| II. ग़लतियों के डर से कर्मचारी घबराए रहते थे| III. क्रिकेट मैचों में गलत निर्णय का ख़तरा रहता था| IV. मानवीय भूलों के कारण बड़ी दुर्घटनायें होती थीं|
(5)	कंप्यूटर के बिना आज की दुनिया अधूरी है क्योंकि- I. सारी व्यवस्था, उपकरण और मशीनें कंप्यूटरीकृत हैं| II. कंप्यूटर ही मानव एकीकरण का आधार है| III. कंप्यूटर ने सारी प्रक्रियायें आसान बना दी हैं| IV. कंप्यूटर द्वारा मानव सभ्यता अधिक समर्थ हो गयी है|